लिंग परिवर्तन

७४८. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९६१-६२ में अब तक सफल लिंग परिवर्तन के कितने मामलों का पता लगा है; और

(ख) क्या सरकार ऐसे लिंग परिवर्तनों और उनके कारणों की गवेषणा कर रही है ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री करमरकर) : (क) सूचना उपलब्ध नहीं है ।

(ख) जी नहीं । विदेशों में की गई गवेषणा के आधार पर लिंग परिवर्तन के कारणों से सम्बन्धित एक नोट नीचे दिया जाता है ।

नोट

मनुष्य में जननग्रन्थि सम्बन्धी अपजनन तथा लिंग अपवर्तन के जननिक, विकासी तथा न्यासर्गीय पहलू—एस० विंची, पी एच० डी०, डब्ल्यू औ० नेलसन, पी एच० डी, तथा एस० जे० मेगल, पी० एच० डी, स्टेट यूनिवर्सिटी आफ लोब —बिलनिकीय अन्तरासर्ग विज्ञान तथा चयापचय पत्रिका—ग्रन्थ १७, १९५७ (पृष्ठ ७५०)

मनुष्य में लिंग परिवर्तन से होने वाली लिंग असामान्यताओं के विश्लेषण से तीन भिन्न वर्गों का पता चलता है । कार्यकारण सम्बन्ध, व्यक्तिगत जीवन के विकास इतिहास के उद्भव में प्रव्यंजना के उद्भवकाल तथा प्रौढ़ व्यंजना के लाक्षणिक प्रकार में इन तीनों वर्गों में भिन्नता है ।

असामान्यतायें

प्रथम वर्ग

अण्डे अथवा मुक्त कोशा में क्षति होने के परिणाम स्वरूप आद्यरोही कोशा में जो त्रुटिपूर्ण विकास होता है, उससे ये असामान्यतायें पैदा हो जाती हैं । प्रजननग्रन्थि लिंग भेद की अवधि में पूर्व मौलिक गौनिया के पूर्णतः छुप जाने की हालत में जैनेटिक-मेल्स स्यूडौफीमेल्स हो जाते हैं । यदि गोनिया की संख्या पर्याप्त घटती ही है तो जेनेटिक फीमेल्स या तो स्यूडौमेल्स में विकसित हो जाते हैं अथवा उभयलिंगों में ।

दूसरा वर्ग

ये असामान्यतायें माताओं की उस पैतृक विशेषता पर निर्भर करती है जो उनके भ्रौण भेद के तुरन्त पश्चात् उनसे गर्भ परीक्षण के सामान्य मध्यक कार्यों का प्रतिविधान करवाती है । इस प्रकार जनन की दृष्टि से पुरुषभूण पुरुष कूट-उभयलिंगों (स्यूडो हार्माफ्राडाइट्स) में विकसित हो जाते हैं ।

तीसरा वर्ग

ये असामान्यतायें पुन्सकारी हारमोन की उत्पत्ति के साथ उपवृक्क अतिवृद्धि (अड्रेनल हाइपरप्लासिया) में उपद्रव के रूप में विकसित हो जाते हैं । प्रव्यंजना पांचवें महीने या उसके बाद से ही शुरू होती है । जनन की दृष्टि से स्त्रीतत्व (फीमेल इंडिविजुअलस) स्त्रीकूट उभयलिंगों (फीमेल स्यूडोहर्माफ्राडाइट्स) में विकसित हो जाते हैं ।

Arrangements for Kumbh Mela at Hardwar

749. Shrimati Ila Palchoudhuri: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether proposals for arrangement to be made for coping with the rush of pilgrims who are expected to go to Hardwar by rail to the forthcoming Kumbha Mela in 1962, have been taken in hand; and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) Yes Sir.

(b) Details of arrangements proposed to be made are being worked out.